

उत्तराखण्ड विद्यालय शिक्षा परिषद, रामनगर (निजीतान)

अ

उत्तराखण्ड विद्यालय शिक्षा परिषद, रामनगर (निजीतान)

की भाव से परिषद कार्यालय द्वारा भरा जायगा।)

'डी' कोड संख्या-

[]

यदि परीक्षार्थी उत्तराखण्ड विद्यालय शिक्षा परिषद, रामनगर (निजीतान) के पास नहीं है तो उसे उत्तराखण्ड विद्यालय शिक्षा परिषद, रामनगर (निजीतान) से संपर्क करना चाहिए।

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायगा-

परीक्षार्थी का अनुसूचक (कोड में)

(कोड में)

विषय **सो विज्ञान**

प्रश्नपत्र पर अंकित संकेतक-

471 IAG

कक्षा निरीक्षक द्वारा भरा जाये-

(उत्तराखण्ड सभी प्रतिष्ठानों की जांच करें और उत्तराखण्ड विद्यालय शिक्षा परिषद, रामनगर (निजीतान) से संपर्क करें।)

केंद्र संख्या-

[]

कक्षा निरीक्षण का सूत्र

परीक्षा कक्षा संख्या-

110 दिनांक **19/03/2018** कक्षा निरीक्षक का दृष्ट

इंटरमीडिएट परीक्षा, उत्तराखण्ड

अ (12 घंटे)

(परीक्षक विभिन्न तारिका में प्रत्येक प्रश्न तथा उसके खण्डों के प्राप्तांकों का

'डी' कोड संख्या (अतिरिक्त कार्यालय द्वारा भरा जाएगा)

'डी' कोड संख्या-

[]

'ब' पत्र-पुस्तिकाओं की संख्या

ब1	ब2	ब3	ब4
----	----	----	----

इसका भर कक्षा निरीक्षक (कक्षा निरीक्षक द्वारा भरा जाने)

विषय **सो विज्ञान**

प्रश्नपत्र पर अंकित संकेतक-

471 IAG

परीक्षा का दिन **सोमवार** परीक्षा की तिथि **19/03/18**

इसका भर कक्षा निरीक्षक

प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस पत्र-पुस्तिका के मूल्यांकन सम्बन्धित प्रश्न-पत्र संकेतक तथा मूल्यांकन विवरणों को अनुसर किया है। प्राप्तांकों का सही रूप से व्यवस्थापन का प्राप्तांकों एवं प्राप्तांकों के योग का विवरण भर दिया गया है। इसमें कोई भी त्रुटि नहीं है। किसी भी प्रकार की त्रुटि से निर्र है। उत्तरदायी हूँ/हूँगी।

परीक्षक के हस्ताक्षर एवं दक्ष

1. अंकेशक के हस्ताक्षर एवं

2. अंकेशक के हस्ताक्षर एवं

सन्निरीक्ष

सन्निरीक्षा पूर्व अंक-

सन्निरीक्षा परवाप्त अंक-

त्रुटि का प्रकार-

दिनांक-

इसका भर निरीक्षक-

असम आंदोलन :-

असम आंदोलन बाहरी लोगों के विकल्प का असम के लोगों को लग रहा था कि बांग्लादेश की एक बड़ी आबादी भारत में बसा गई है उन्हें डर था कि अगर इनका पहचान कर इन्हें वापस नहीं भेजा गया तो असमी जनसंख्या अल्पसंख्यक हो जाएगी, कुछ आर्थिक मसाले भी हैं, असम में प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता होने के बावजूद भी उसका एक प्रयोग बाहरी लोगों द्वारा किया जा रहा था परंतु असम की जनता को कोई लाभ नहीं हो रहा था।

सितंबर सन 1979 से 1985 तक आसु (ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन) ने बाहरी लोगों के खिलाफ आंदोलन चलाया, इनकी मांग थी इन लोगों का वापस भेजा जाए, आसु के इस आंदोलन में सभी लोग शामिल हुए व आंदोलन के दौरान हिंसक घटनाएं भी घटीं।

असम समझौता :-

सन 1985 में लगभग दू साल की अतृप्त आस्थिरता के बाद आसु तथा राजीव गांधी के मध्य समझौता हुआ जिसमें यह बात पर सहमति जनी की 1951 के पहले और बाद में बितने लोग असम आए हैं तथा उनकी पहचान की जाएगी और वापस भेजा जाएगा समझौते के बाद आसु तथा असम गण सशस्त्र परिषद ने गठबंधन कर असम गण परिषद बनाई तथा राजनीति में शरीक हुई।

इस प्रकार असम आंदोलन सांस्कृतिक आभिमान और आर्थिक पिछड़पन की मिली-जुली अभिव्यक्ति थी।

उत्तर ÷ 34

आपातकाल से आशय ÷

आपातकाल से आशय इस स्थिति से है जब शाक्ति का सधीय ढांचा चरमरा जाता है तथा शाक्ति सरकार के हाथों में केंद्रित हो जाती है। सरकार नागरिकों के मौलिक अधिकारों पर प्रतिबंध लगा देती है।

आपातकाल के परिणाम ÷

परिणाम यह

(i)

हड़ताल पर रोक ÷

आपातकाल का प्रथम प्रभाव तो यह रहा कि इससे हड़ताल पर रोक लगा दी गई व सरकार के विवेकापक्ष धारण होना हड़ताल केवल अवधि घोषित कर दिया गया,

(ii)

प्रेस पर पाबंदी ÷

आपातकाल के दौरान प्रेस पर पाबंदी लगा दी गई तथा कुछ सीमाओं से पूर्व सरकार से अनुमति लेनी होगी यह सरकार ने कहा। इस प्रेस सेंसरशिप कहा गया।

(iii) नागरिकों के मौलिक अधिकार स्वामित्व :-
आपातकाल के दौरान नागरिकों के मौलिक अधिकार स्वामित्व को दबा दिया गया तथा नागरिक अपनी अधिकारों के लिए न्यायालय का दरवाजा भी नहीं खटखटा सकते थे ।

(iv) निवारक नजरबंदी का प्रयोग :-
निवारक नजरबंदी का कई पैमानों पर प्रयोग किया गया इसके अंतर्गत व्यक्ति को इलाक़ी मुख्तार किया जाता है कि वह अपराध कर सकता है इस लिए नहीं किया जाता कि उसने कोई अपराध किया है ।

(v) इस्लामी धर्माती पर प्रतिबंध :-
आपातकाल के दौरान आर० एम० एम० एम० जैसी संगठनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था ।

उत्तर :- 33

पंचवर्षीय योजना :-

पंचवर्षीय योजना को मासिक रूप से योजना से है जिसमें सरकार नियोजित विकास को पांच वर्षों में पूरा करने की योजना सीमित बाधनों से अधिकतम लाभ कमान में करती है ।

द्वितीय पंचवर्षीय योजना :-

भारत में सन् 1956-1961 तक द्वितीय पंचवर्षीय योजना को लागू

किया गया। इस योजना के योजनाकार पी०
भी महात्माजीका वं उन्हाने तर्क दिया
कि भारत का विकास हीमी गति की
नही ही सकता है इसलिये उन्हाने तब
गति की आर्थिक विकास करने पर बल दिया,
द्वितीय पंचवर्षीय योजना में औद्योगिकरण
पर बल दिया गया तथा देशी उद्योगों को
संरक्षण प्रदान किया गया।

प्रथम व द्वितीय पंचवर्षीय योजना में भिन्नता-

द्वितीय पंचवर्षीय योजना में ^{प्रथम} मुख्यतः एक
दूसरे से भिन्न थी, एक ^{प्रथम} पंचवर्षीय योजना में व्यादा और
कृषि पर दिया गया था तो वही दूसरी
और दूसरी पंचवर्षीय योजना में औद्योगिकरण
पर बल दिया गया था पहली पंचवर्षीय
योजना में आर्थिक विकास की दर हीमी
रखी गई थी, जबकि द्वितीय पंचवर्षीय
योजना में तीव्र गति से आर्थिक विकास
करने पर बल दिया गया था, परन्तु पहली
पंचवर्षीय की तुलना में द्वितीय पंचवर्षीय
योजना के अधिक फायदे हुए, तथा देश
में औद्योगिक की वफताव तब हुई, जिस
कारण भारत भी वि. एक उभरी अर्थव्यवस्था
बना। वास्तव में पंचवर्षीय योजनाओं के
कारण भारत का आर्थिक विकास तेजा हुआ
है।

(ब) आर्थिक प्रभाव
(i) आर्थिक समृद्धि का बढ़ना :- इसका आर्थिक समृद्धि बढ़ी है।

(ii) विश्व में व्यापार में वृद्धि :- वैश्वीकरण के कारण सांस्कृतिक व्यापार में वृद्धि हुई है जिस कारण आर्थिक विकास तीव्र हुआ है।

(क) सांस्कृतिक प्रभाव
(i) पसंद - नापसंद का दायरा बढ़ता :- वैश्वीकरण के कारण लोगों का पसंद-नापसंद का दायरा बढ़ा है।

(ii) अमेरिकी संस्कृति पर दलता :- वर्तमान में प्रत्येक देश अमेरिका के प्रभाव में है इस कारण प्रत्येक व्यक्ति को यहाँ की नीति पालना पड़ती है।

उत्तर :- 31

सौविध संघ के विघटन के निम्न कारण हैं -

अदकनी कमप्यारी :- सौविध संघ की अव्यवस्था में गतिविधि उत्पन्न हो गया, वहाँ की समस्याओं में अदकनी कमप्यारियाँ आ गईं, वह अपने नागरिकों की इच्छा पूर्ण नहीं कर सकी।

सैन्य व पिछलग्गू देशों पर खर्च :-

संघ ने अपनी आर्थिक संसाधनों का अधिकतम प्रयोग सैन्य बाधा - सामान्य पवस्करण

प्रावधान कर दिया ताकि वह उसी ^{व पिछलग्गू देशों} _{सक} ^{जुड़} _{वह}

निर्वाहल गीर्वाचिव के सुधार :-

सोवियत संघ में सुधारों की शुरुआत की, ^{सन 1985 में} इस कारण वही ^{शुकात की} _{की जनता} का आर्थिक असंतोष बढ़ गया।

संप्रभुता का उभार :-

सोवियत संघ का तात्कालिक कारण उसके देशों में संप्रभुता की इच्छा का उभार होना था।

परिणाम

(i) शीतयुद्ध की समाप्ति :-

सोवियत संघ के विघटन का प्रमुख परिणाम शीतयुद्ध की समाप्ति था, क्योंकि शीतयुद्ध इन्हीं दो सोवियत संघ व अमेरिका के बीच था।

(ii) अमेरिका का दबदबा बढ़ना :-

सोवियत संघ के विघटन के पश्चात अमेरिका का दबदबा बढ़त लगा।

अंतरराष्ट्रीय फलकफ

(iii) नये राष्ट्री का निर्माण :-

विघटन के पश्चात उसकी प्रतीति 15 गणराज्य
आत्मतुल्य तथा इनकी स्वतन्त्रता भी
बढ़ी ।

उत्तर :- 1

सोपरेगान, इनफ्राहल बीच का आर्द्रता बिल
विघटन ने दिया ।

उत्तर :- 2

चीन ।

उत्तर :- 3

रु। ।

उत्तर :- 4

भारत ने क्योटी प्रौद्योगिकी पर 2002 में
हस्ताक्षर किए ।

उत्तर :- 5

बवान अबदुल गफ्फर बवा की ।

उत्तर ÷ 6

औपचारिक फलस दुग्ध उत्पादन को संतुष्टि है
इसके अन्तर्गत वरीय कुवियत है ।

उत्तर ÷ 7

इंदिया गौधी नै ।

उत्तर ÷ 8

जपप्रकार/ नारायण ।

उत्तर ÷ 9

1984 में ।

उत्तर ÷ 10

विन्डरवरी प्रकार मण्डल ।

उत्तर ÷ 11

सोवियत संघ के मदद से स्थापित है इसका
कारखाना

पं०	मिलाइ	लोड	इस्पात कारखाना
(11)	बिकापी	११	११ ११

उत्तर :-
1945 में ब्रह्म विरोधीता और बागाबाकी
में विवाय गण अमेरिका के द्वारा
विषय गण

उत्तर :- 13

सिंधु नदी पर दो देशों ने सन् 1960 में हुई थी।

- (i) भारत
- (ii) पाकिस्तान

उत्तर :- 14

विश्व बैंक के दो कार्य -
(i) विकसित देशों को आसान शर्तों पर ऋण देना।

(ii) असाहज विश्व बैंक पर्यावरण सुरक्षा आधारभूत ढांचा आदि के लिये ऋण देता है, तथा इसकी स्थापना 1945 में हुई थी।

उत्तर :- 15

सामरिक अन्त परिसीमत संधि-2 पर अमेरिका के राष्ट्रपति जिमी कार्टर तथा सोवियत संघ के नेता लियोनिड ब्रेझ्नेव ने 1972 में किए थे। यह सन्धि का प्रयोग कम कान के लिए की गई थी।

उत्तर :- 16

राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 में पारित हुआ इसके आधार पर 19 राज्य 6 केंद्र शासित प्रदेश बन गए।

उत्तर :- 17

थोपना आयोग की स्थापना 1950 में हुई थी। वर्तमान में इसका नाम बदलकर नौति आयोग कर दिया है। थोपना आयोग का कार्य सरकार को आर्थिक विषय में सलाह देना था। इसकी थोपना तभी लागू होती है जब सरकार इस पर सहमत है।

उत्तर :- 18

सन् 1999 को भारत की सीमा रेखा पर अपने को मुजाहिदीन बताने वाले ने द्रास मार्कस द्रावकॉड में कब्जा कर लिया। भारतीय सेना इसमें पाकिस्तान की मिलीभगत धोपकर हक्क में आई। यही कारणित युद्ध के कारण थे तब इसे ही कारणित युद्ध के नाम से जाना जाता है। इसमें भारत की विजय हुई थी।

उत्तर ÷ 19

सूचना का अधिकार आंदोलन, राजस्थान के भीम तहसील में, 1990 में शुरू हुआ था इसकी नेतृत्व वही के अगुएँ मण्डन किसान शक्ति अगुएँ ने किया था जिसे 'कम० क० क० क०' कहा जाता था।

उत्तर ÷ 20

राज्य का पूरा नाम - राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन है यह 13 राजनीतिक दलों का गठबंधन है तथा इसकी प्रमुख पार्टी - भारतीय जनता पार्टी है।
अप्रम का पूरा नाम - संयुक्त प्रगतिशील दल गठबंधन है, इसकी प्रमुख पार्टी कांग्रेस है।

उत्तर ÷ 21

शीतयुद्ध का अर्थ - द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात विश्व में ही महाशक्ति अपनी पिनक मध्य वनावटों में अग्र आगे हुआ युद्ध अपनी स्थिति है वास्तव में युद्ध नहीं हुआ शीतयुद्ध कहलाता है।

शीतयुद्ध के दौरान संकट

(i) क्यूबा मिसाइल संकट :- शीतयुद्ध के दौरान क्यूबा मिसाइल संकट हुआ, जिसे शीतयुद्ध का चरम बिंदु कहा जाता है क्योंकि इस संकट के दौरान ऐसा लगा कि अब युद्ध हीकर लूहेगा, परंतु दोनों गुटों ने युद्ध टालने का फैसला किया।

(ii) आण्विक युद्ध की आशंका :- शीतयुद्ध के दौरान आण्विक युद्ध की आशंका होने लगी, अब लगाने लगा कि तीसरा विश्व युद्ध हीकर लूहेगा।

(iii) विश्व का दो गुटों में बँटना :- इस दौरान पूरा विश्व दो गुटों में बँट गया, पहला गुट अमेरिका का था तथा दूसरा गुट सोवियत संघ का था जिन्हें मुख्यतः पूरिचिनी तथा पूर्वी गठबंधन कहा जाता था।

उत्तर :- 22

वर्चस्व का अर्थ :-

वर्चस्व यानी हेवीमनी शक्ति की बड़े मूलतः प्राचीन यूनान में ही इसकी किसी देश की तुलना में शक्ति की प्रबलता बताने के लिए प्राचीनकाल में प्रयोग किया जाता है। संक्षेप बाहुल्यता का यही अर्थ का आज अमेरिका के लिए होता है। प्रयोग

वर्चस्व का सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में अर्थ :-
 वर्चस्व का सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में अर्थ सहमति गठने से है, सहमति गठने से आशय विश्व व्यवस्था के में एक कंस देश का होना जो अपनी मतलब की वस्तु का बिकार बखता है, तथा वह पूरे विश्व समुदाय को अपने वस्तुओं को इस प्रकार दिखाता है कि जिससे वे सहमत हो जायें कि वर्चस्ववाली देश उनके हित में कार्य कर रहा है। वर्तमान समय में अमेरिका ऐसा देश है जो जिसकी विश्व व्यवस्था में चालती है और वह इस तरह के कार्य करता है जिससे वह बना रह सके। सांस्कृतिक वर्चस्व का उदाहरण अपनी संस्कृति का दूसरे की संस्कृति पर प्रभाव डालना है।

उत्तर = 23

आसियान से आशय - दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का क्षेत्रीय संगठन आसियान कहलाता है, इस क्षेत्र को व्यापारी तथा युवापीय उपनिवेशवाद की कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। आसियान के विदेश मंत्री ने इन देशों को एक दिया कि ये एक क्षेत्रीय संगठन बनाए वरना चीन इसका हडप लेगा। इस कारण इन देशों ने आसियान की स्थापना की।

आसियान की स्थापना :-

8 अगस्त, 1967 को आसियान की स्थापना के अंतर्गत किये गए प्रारम्भ में इसके 5 देश थे वर्तमान में इसके 10 सदस्य हैं। इस प्रकार है - इंडोनेशिया, सिंगापुर, थाइलैण्ड, ब्रुनई, म्यांमार, वियतनाम, लाओस, कम्बोडिया, व फिलीपीन्स है।

भूमिका

यह इन देशों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है इसके उद्देश्य हैं -

- (i) इस क्षेत्र की जनता को आर्थिक विकास के क्षेत्र में ऊपर उठाना
- (ii) देशों के बीच शांति तथा सहकार की भावना विकसित करना
- (iii) 15 वर्षों के भीतर इन देशों के मध्य मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाना।

श्रीलंका में उत्तर :- 24

राजनीति में सिंहली समुदाय का वर्चस्व वा इनकी मांग थी श्रीलंका, सिंहली समुदाय का देश है इसलिए तमिलों के साथ सरकार को प्रियायत नहीं करनी चाहिए, इस कारण श्रीलंका में भारतीय संधर्ष प्रारम्भ हुआ, मई 1983 में लिस्ट न तमिल इलाकों की मांग को तथा भारत सरकार की तमिलों के हितों को रक्षा करने का कड़ा मंत्र 1987 में भारत सरकार ने शांति

सेना श्रीलंका सेवी। लेकिन इसकी वही की
 जनता ने खास पसंद नहीं किया तथा भारत
 सरकार ने इसे वापस बुला लिया। वर्तमान 2009
 में इसकी सफाया किया गया।

लोकतंत्र का विकास :-

श्रीलंका में अब भी लोकतंत्र का लय है।
 जातीय संघर्ष के बावजूद
 यह विकासशील देशों में प्रथम है। अर्थात्
 जनसंख्या, गिनतण तथा उद्योगिकी तथा
 उच्च आर्थिक विकास प्राप्त किया है।

उत्तर :- 25

श्रीलंका के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ में तीन
 सुधार मुख्य हुए हैं -

(ii) स देशों की संख्या में वृद्धि :-

इसके सदस्य देशों में वृद्धि है। वर्तमान में
 इसके 193 सदस्य हैं। श्रीलंका आसुसपा
 में बराबर का प्रतिनिधित्व है लेकिन
 सुरक्षा परिषद में नहीं।

(iii) अलग-अलग विषयों के लिए अलग
 आयोग :-

श्रीलंका के बाद इस संघ में
 अलग-अलग विषयों के लिए अलग-अलग
 आयोग बन गए हैं जैसे - मानवाधिकार
 आयोग, शांति आयोग आदि।

तई समस्याओं को समाधान :-

उप संघ ने आतंकवाद, पर्यावरण आदि की सम्बन्धित मुद्दों का खवनीक है लगा है।

उत्तर :- 26

विश्व की साझी विरासत का अर्थ है जिस पर किसी एक का अधिकार न होकर संपूर्ण समुदाय का अधिकार होता है। विश्व स्तर पर भी कुछ संरक्षित क्षेत्र हैं जिनका संचालन होता है। उभय पर अधिकार एक देश का ना होकर संपूर्ण विश्व समुदाय का होता है। विश्व की साझी विरासत के उदाहरण हैं अतलाटिक प्रदेश ओजोन परत पर्यावरण आदि। इसका प्रदूषण तथा दोहन देशों द्वारा अपनी आवश्यकता को पूरा करने के लिए अघातुष्ट जाता है, करने से होता है। वर्तमान युग औद्योगिकीकरण का युग है जिसमें उद्योगों के विकास पर बल दिया जाता है जिससे भ्रमक मात्रा में गैस निकालती है जो इस पर्यावरण की दुश्मन है। वर्तमान में ओजोन परत में दर आदि इसके से दुष्परिणाम है।

उत्तर :- 27

अनमत की कमजोरी के कारण एक पार्टी के प्रभुत्व कायम हुआ, अनमत की कमजोरी के निम्न कारण व -

साधनों की कमी :- अनमत को तैयार करने

करने के लिए, उस समय पर्याप्त साधन उपलब्ध नहीं थे, इस कारण एक दलीय पार्टी का प्रभुत्व कायम हुआ।

आरक्षित व्यतता :-

तत्कालिन व्यतता का मात्र 15% भाग ही आरक्षित था, तथा शेष आरक्षित इस कारण दलीय प्रभुत्व कायम हुआ।

यातायात के साधनों का अभाव :-

यातायात के साधन भी सीमित थे इस कारण लोगों को इकट्ठा करने के लिए एक-दूसरे से दूसरे स्थान पर जाना पड़ता था, लेकिन यह अभाव वा या एक दलीय प्रभुत्व का कारण बना।

उत्तर :- 29

पश्चिम बंगाल के नक्सलवादी पुलिस दाने में एक किसान विद्रोह 1967 में भड़क उठा, इसके नेतृत्व स्थानीय कांडर के लोग कर रहे थे, नक्सलवादी पुलिस दाने में प्रारम्भ होने वाला यह आंदोलन पूरे भारत में फैल गया। नक्सलवादी पुलिस दाने में प्रारम्भ होने के कारण इस नक्सलवादी आंदोलन के नाम से जाना जाता है, इसके कारण वर्तमान की आधिकार्य सचिवालय के न्याय में हुई है।

कार्यक्रम :-

इसके अनुसार भारत में लोकतंत्र

एक इलाका है। इसलिये इन्होंने अपनी
मृगा को मैदान के लिए इसक
तरीका का प्रयोग किया।
इसने धनी जमींदारों से जमीन
दिकर, बलपूर्वक आदिवासी किसानों को
दे दिया।

उत्तर - 30

साधारण सखीवर परिपोयता के अंतर्गत
मुख्यतः में अनेक बाँध बनाये जाये, गया,
यिसके अंतर्गत नर्मदा नदी में बाँध
बनाया गया।

वाद - विवाद :-

इसके संबंध में आलोचकों ने
उक्त दिया कि इस बाँध के कारण अनेक
दोल, जलमग्न हो जायेगा तथा उनकी आजीविका
के साधन, नष्ट हो जायेंगे, लोगों को
विक्रयापित होने पड़ेगा।
इसके कारण बाँध समर्थकों का मानना था कि
इस बाँध के कारण, सूखा जैसी समस्याओं
से भी इतकारा मिलेगा तथा मध्यप्रदेश
मुख्यतः तथा महाराष्ट्र तीन राज्यों को सिंचाई
सुविधा प्राप्त होगी, तथा पीने के पानी
के 90 अंशों को कम किया जा
सकता है। यैसाकि हम जानते हैं किसी
भी परिपोयता बनने में समय लगता
है तथा उसकी आलोचना होती है।

उत्तर :- 28
गुटनिपक्षता का अर्थ :-

गुटनिपक्षता का अर्थ किसी भी शक्ति गुट में शामिल न होना तथा किसी भी गुट की प्रशंसा तथा आलोचना बिना सीधे समझन करना तथा स्वतंत्र विदेश नीति का निर्माण संचालन करना ही गुटनिपक्षता है। यह भारत की विदेश नीति है तथा इसके निर्माता भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं० जवाहर लाल नेहरू व यह अका. आंदोलन के कर्षु में उभरी, वर्तमान में इसके 170 सदस्य हैं।

वर्तमान संदर्भ में मूल्यांकन :-

वर्तमान में इसकी प्रासंगिकता नहीं रह चुकी है क्योंकि इसकी अपनाने भारत ने तब अपनाया जब भारत ही गुट में नहीं था, वर्तमान में ही गुट नहीं है इस कारण वर्तमान में इसकी उपयोगिता नहीं है।